30 मई 2011 को संपन्न स्पाइसेस बोर्ड की 72 वीं बैठक का कार्यवृत्त

स्पाइसेस बोर्ड की 72 वीं बैठक 30 मई 2011 को सायं 3.00 बजे कोचिन के बोर्ड के मुख्यालय में संपन्न हुई ।

श्री वी. जे. कुरियन, भा.प्र.से, अध्यक्ष, स्पाइसेस बोर्ड ने बैठक की अध्यक्षता की और निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे :-

1. श्री रोय के. पाउलोस, उपाध्यक्ष
2. श्री पी.टी. तोमस, सांसद(लो.स.)
3. श्री अनन्त कुमार हेगडे, सांसद(लो.स.)
4. श्रीमती सुतपा मजूंदार
5. डॉ.वी. ए. पार्थसारथी
6. डॉ. विजू जेकब
7. श्री पी.जे. कुञ्ञच्चन
8. श्री फिलिप कुरुविळा
9. श्रीमती सुषमा श्रीकण्ठत्त
10. श्री माधवन
11. श्री देवेन्दर सिंह रघुवंशी
12. श्री अबुल कलाम
13. श्री जॉर्ज वैली
14. श्री जोजो जोर्ज
15. श्री जी. मुरलीधरन
16. श्री अजय जे. मारिवाला

निम्नलिखित सदस्यों को अनुपस्थिति छुट्टी प्रदान की गई :

1. डॉ. ए. जयतिलक
2. श्रीमती अमरित राज
3. श्री संजीव चोप्रा
4. एड्वोकेट जोय तोमस
5. निदेशक, सी एफ टी आर आई
6. श्री मंगत राम शर्मा
7. श्री राजेन्द्र. पी. गोखले

निम्नलिखित सदस्य अनुपस्थित थे :

1. श्री के. के. सिंह
2. श्री उमेष कुमार
3. डॉ. एन.सी.साहा
4. श्री के.सी. प्रधान

बोर्ड के निम्नलिखित अधिकारी उपस्थित थे :

1. श्री पी.एम. सुरेषकुमार, सचिव और निदेशक(विपणन)
2. डॉ. जे.तोमस, निदेशक(अनुसंधान)
3. श्री के.सी. बाबु , निदेशक(वित्त)
4. श्री एस. सिद्दरामप्पा, निदेशक(विकास)
5. श्री के.आर.के. मेनोन, वैज्ञानिक 'सी'(गुणवत्ता)
6. श्री बी. श्रीकुमार, उप निदेशक(विपणन)

सर्वप्रथम अध्यक्ष महोदय ने बैठक में सदस्यों का स्वागत किया । उसके बाद, कार्यसूची टिप्पणी पर चर्चा हुई ।

मद सं.1: 22.3.2011 को संपन्न बोर्ड की बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि

पुष्टि की गई ।

मद सं.2: 22.3.2011 को संपन्न 71 वीं बोर्ड बैठक के निर्णयों पर कृत कार्रवाई रिपोर्ट

श्री पी. एम. सुरेषकुमार, सचिव ने 22.3.2011 को संपन्न बोर्ड-बैठक के निर्णयों पर कृत कार्रवाई पर संक्षेप में बताया । बोर्ड ने नोट किया ।

मद सं.3 : वर्ष 2011-12 केलिए मसालों के गुणवत्ता सुधार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

डॉ. जे. तोमस, निदेशक(अनुसंधान) ने मसालों के गुणवत्ता सुधार केलिए बोर्ड द्वारा आयोजित विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया । आम तौर पर यह आधे दिवस का कार्यक्रम हुआ करता है और कृषक अन्यत्र कहीं भी प्रचलित खेती के तरीकों को सीखने केलिए आयोजित होनेवाले दौरा कार्यक्रम के प्रशंसक थे । गत वर्ष, हम ने केरल एवं कर्नाटक के कृषकों केलिए कार्यक्रम आयोजित किए । बोर्ड को ऐसे कार्यक्रमों केलिए उत्तर पूर्वी क्षेत्र से कई अनुरोध प्राप्त होते आ रहे हैं ।

श्री जोर्ज वैली को लगा कि कार्यक्रम के परिमाण के मद्देनज़र उपलब्ध रकम अपर्याप्त है । श्री फिलिप कुरुविळा ने राय व्यक्त की कि हमें किसानों के स्तर पर गुणवत्ता सुधार प्रशिक्षण कार्यक्रम का परिव्यय

बढ़ाना है, खासकर जब हम बारहवीं पाँच वर्षीय योजना अॅप्रोच पेपर तैयार कर रहे हैं । हमें प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में व्यापक प्रचार प्रसार करना चाहिए । निदेशक (अनुसंधान) ने व्याख्या की कि बोर्ड अपने प्रकाशनों, वेबसाइट एवं क्षेत्र कार्यालयों के ज़रिए प्रचार प्रसार कर रहा है ।

विस्तृत चर्चा के उपरांत, बोर्ड कुल 20.00 लाख रुपयों की कुल लागत पर वर्ष 2011-12 के दौरान आयोजित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का अनुमोदन किया ।

मद सं .4 : <u>मोबाइल मसाला क्लिनिक का आयोजन</u>

निदेशक(अनुसंधान) ने कार्यक्रम की विशेषताओं के बारे में संक्षेप में बताया ।

श्री अनंतकुमार हेगडे ने प्रति क्लिनिक व्यय 5,000/- रुपए नियत करने का तर्क जानना चाहा । निदेशक(अनुसंधान) ने जवाब दिया कि यह खर्च खेतों के दौरे केलिए है और पिछले साल हमने करीब 4,300/-रु. प्रति क्लिनिक खर्च किए हैं । इस वर्ष, रकम को 5,000/- रुपयों में पूर्णांकन किया गया ।

बोर्ड ने प्रस्ताव अनुमोदित किया ।

मद सं.5 : <u>गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशालाओं द्वारा विश्लेषित परेषण नमूनों का स्टैटस</u>

श्री के. आर. के. मेनोन, वैज्ञानिक 'सी' (गुणवत्ता) ने निर्यातित मसाला परेषणों के अनिवार्य निरीक्षण के अनुसार मसाला नमूना जाँच की स्थिति की रूपरेखा प्रस्तुत की ।

श्रीमती सुतपा मजूंदार ने अपमिश्रक का पता लगाए नमूनों की हालत के बारे में जानना चाहा । अध्यक्ष महोदय ने स्पष्टीकरण दिया कि ऐसे नमूने नष्ट कर दिए जाते हैं ; नहीं तो, वे घरेलू विपणी में पहूँच सकते हैं ।

श्री अजय.जे.मारिवाला ने मत प्रकट किया कि गुणवत्ता निरीक्षण बोर्ड को लाभदायक राजस्व लाता है । इस पर वैज्ञानिक ने व्याख्या दी कि बोर्ड स्थिर एवं परिवर्ती-दोनों लागत के रूप में बहुत सारी राशि खर्च करता है । सही लाभ का जायजा लेने केलिए वैसे तो प्रयोगशाला में प्रयुक्त उपकरणों पर होनेवाले मूल्यह्रास का भी लिहाज रखना होगा । सभी मशीनरियों एवं उपकरणों को अपने लाभकारी उपयोगिता काल के बाद प्रतिस्थापित करना भी ज़रूरी है । ऊपर बताई गई बात को नज़र में रखने पर बोर्ड द्वारा प्रभारित शुल्क हद से ज्यादा नहीं है ।

बोर्ड ने स्थिति नोट की ।

मद सं.6 : <u>बारहवीं पाँच-वर्षीय योजना को अन्तिम रूप देने हेतु ॲप्रोच पेपर जिसे सरकार के विचाराधीन लाया जाना है</u>

श्री बी. श्रीकुमार, उप निदेशक(विपणन) ने बारहवीं पाँच वर्षीय योजना केलिए ॲप्रोच पेपर की तैयारी हेतु बोर्ड द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से बताया । कृषक प्रतिनिधियों के साथ 19 मई और निर्यात प्रतिनिधियों के साथ 25 मई, 2011 को परामर्श हुए । मसाले कृषकों की बैठक के दौरान 42 सिफारिशें उभर आ गईं । कृषकों ने सिफारिश की कि सिंचाई को प्राथमिकता देनी चाहिए, मुख्यतया इसलिए कि इलायची बहुत ही नाजुक क्षेत्र में बढायी जाती है । वनरोपण एक और क्षेत्र है जिसको उचित महत्व दिया जाना है । जब इलायची बढाई जाती है, पारिस्थितिकी को अस्तव्यस्त नहीं करना चाहिए । श्रमिकों की कमी केलिए भी समाधान निकालना ज़रूरी है जिसकेलिए मशीनीकृत खेती कार्यों को अपनाया जाना है । जैव खेती को बढावा दिया जाना है । कटाई उपरांत सुधार उपायों को अधिक ज़ोरदार रूप से लिया जाना चाहिए ।

निर्यातक-बैठक में विचार-विमर्श के दौरान 12 सिफारिशें रखी गईं । उन्होंने फोकस-उत्पाद बतौर छः मसालों को चुन लिया और बारहवीं योजना में उत्पादन, प्रसंस्करण एवं निर्यात विकास के एकीकरण केलिए कोशिश की जानी चाहिए । चयनित मसाले कालीमिर्च, इलायची, मिर्च, हल्दी, जीरा और जायफल है ।

बोर्ड ने कृषकों एवं निर्यातकों की बैठक के दौरान दी गई सिफारिशें नोट कीं । सदस्यों का मानना था कि और भी मसालों को फोकस-उत्पादों में शामिल किया जाना है । माननीय सांसद श्री पी.टी तोमस एवं श्री अनंत कुमार हेगडे ने बोर्ड के अधिदेश को थोडा बदलने का सुझाव किया ताकि सभी मसालों के उत्पादन पहलू को स्पाइसेस बोर्ड के तहत लाया जा सकता है । उन्होंने सुझाया कि दालचीनी एक और संभाव्य मसाला है जिसका बहुत अधिक कैंसर रोधी औषधीय मूल्य रहा है और इसकी इस गुणविशेषता को इसके निर्यात संवर्धन केलिए प्रयुक्त किया जाय । श्री फिलिप कुरुविळा ने इस हालत की ओर ध्यान आकर्षित किया कि यद्यपि मिर्च जैसे मसालों का उत्पादन बढता ही रहता है, निर्यात्य अधिशेष घटता आ रहा है । जायफल केलिए एफ्लाटोक्सिन खासकर यूरोप में, एक

प्रमुख समस्या है । श्री जोजो जोर्ज के मतानुसार इलायची को दी जानेवाली महत्ता कम नहीं की जानी चाहिए, चाहे अन्य मसालों के उत्पादन विकास पर विचार किया जाता है । हमें घरेलू विपणी और इलायची की महत्ता नहीं घटा देनी चाहिए, श्री जोजो जोर्ज ने बताया ।

डॉ पार्थसारथी ने सुझाया कि जायफल के क्षेत्र-विस्तारण में सावधानी बरतना जरूरी है । श्री अनन्त कुमार हेगडे ने राय प्रकट की कि जायफल केलिए कोई एकीकृत विपणी नहीं है । डॉ.वी.ए. पार्थसारथी ने सुझाया कि हल्दी, अदरक, इलायची, कालीमिर्च, बडी सौंफ तथा लहसुन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए । श्री अजय जे. मारीवाला ने फोकस- उत्पादों की पूर्ति माँग स्थिति का पता लगाने केलिए एक अध्ययन चलाने का सुझाव किया ।

अध्यक्ष महोदय ने स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र और तमिलनाडु में जायफल का उत्पादन बढता जा रहा है । पौधे से स्थाई उपज पाने में लगभग 7-10 वर्ष लगते हैं । जायफल न्यूनतम श्रम अपेक्षित फसल है और यदि पर्याप्त माँग है तो इसे बढावा दिया जा सकता है । निर्यातकों को निर्यात हेतु पर्याप्त परिमाण में मिल जाएगा, श्री जोर्ज वैली ने कृषकों को हमारी चिन्ता सूचित करने का सुझाव किया ।

यह निर्णय लिया गया कि बोर्ड स्ट्रैटजी पेपर तैयार करेगा और इस वर्ष जुलाई तक सरकार को भेज देगा । संप्रति, उपरोक्त छः फसलों को फोकस बतौर लिया जा सकता है । अध्यक्ष महोदय ने आश्वासन दिया कि अप्रोच/स्ट्रैटजी पेपर, बोर्ड को अपनी अगली बैठक में अन्तिम अनुमोदनार्थ पुनः प्रस्तुत किया जाएगा ।

मद सं .7: 2010-11 के दौरान मसालों के निर्यात की पुनरीक्षा

बोर्ड ने 2010-11 के दौरान का निर्यात निष्पादन नोट किया ।

मद सं .8: 2009-10 की तुलना में 2010-11 के दौरान भारत में मसालों के आयात की पुनरीक्षा

बोर्ड ने खुशी के साथ नोट किया कि देश में मसालों का आयात घटता जा रहा है ।

मद सं:9. <u>गत पाँच सालों में स्पाइसेस बोर्ड का निष्पादन</u>

श्री बी. श्रीकुमार, उप निदेशक(विपणन) ने 2005 से लेकर स्पाइसेस बोर्ड के निष्पादन और मसाले उद्योग की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया । मुख्य उपलब्धियाँ निम्नानुसार हैं :

i) <u>निर्यात निष्पादन</u> : मसालों के निर्यात ने वर्षों वर्ष उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाई । निर्यात 2005 के 2628 करोड रु. मूल्य के 350,363 टनों से 2010-11 में 6842 करोड रु. मूल्य के 525,750 टन होकर बढ गया । मूल्य योजित उत्पादों ने 55% शेयर के साथ निर्यात निष्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दिया ।

ii) <u>स्पाइसेस पार्क</u> : प्रमुख मसाला बढानेवाले इलाकों में फसल-विशेष स्पाइसेस पार्कों की स्थापना पिछले पाँच वर्षों के दौरान देश में मसाला उद्योग के विकास केलिए बोर्ड द्वारा की गई प्रमुख पहल है । दो स्पाइसेस पार्कों - एक मध्यप्रदेश के छिन्दवाडा में और दूसरा केरल के पुट्टडी में - का कार्य शुरू हो चुका है । गुण्टूर, शिवगंगा, जोधपुर, मेहसाना, कोटा, झालावारपटन, गुना, हमीरपुर और रायबरेली में अन्य नौ पार्क कार्यान्वयन के विभिन्न दौर पर हैं ।

iii) <u>गुणवत्ता मूल्याँकन प्रयोगशाला</u> : देश से मसालों के निर्यात में गुणवत्ता की महत्ता पर ज़ोर देते हुए, बोर्ड देशभर प्रादेशिक गुणवत्ता मूल्याँकन प्रयोगशालाओं की स्थापना करता आ रहा है । 1989 में कोच्ची में पहली गुणवत्ता प्रयोगशाला की स्थापना के 19 वर्ष बाद, 2008 में मुम्बई में दूसरी प्रयोगशाला प्रवृत्त हो गई । तीसरी प्रयोगशाला गुण्टूर में 2010 में प्रवृत्त हो गई । तमिलनाडु के गुम्मिनिपूँडी और तूतिकोरिन, कोलकत्ता के पास बरुईपुर, दिल्ली के नरेला और गुजरात के कण्डला में बोर्ड की और पाँच प्रयोगशालाएं जल्दी ही प्रवृत्त होंगी । कोच्ची की प्रयोगशाला एक नए मकान में प्रवृत्त है, जिसका निर्माण-कार्य अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के मुताबिक किया गया है ।

iv) **इलायची का ई-नीलाम और अन्य ई-प्रशासन पहल** : बोडिनायकन्नूर और पुट्टटडी में ई-नीलाम प्रणाली पेश करने से इलायची(छोटी) की नीलाम प्रणाली में क्रांति मच गई । ई-नीलाम प्रणाली ने पारदर्शिता और कृषकों को बेहतर मूल्य प्राप्ति सुनिश्चित की । बोर्ड के कार्यकलापों, जैसेकि लाभार्थियों केलिए इमदाद का ई-भुगतान, इमदाद का ऑन-लाइन प्रक्रमण, नीलाम मूल्य को तत्काल अद्यतन बनाना, नमूनन/भरण की ऑन-लाइन सूचना, ऑन-लाइन व्यापार पूछताछें आदि में बोर्ड द्वारा इ-शासन पहल पेश किया जाना और एक उल्लेखनीय अदाकारी है ।

v. **कार्यालय मैनुअल** : बोर्ड ने पिछले साल पाँच कार्यालय-मैनुअल, नामतः मैनुअल ऑफ जनरल प्रोसीडुअर्स, ऑफिस एड्मिनिस्ट्रेशन मैनुअल, डेलेगेशन ऑफ पावर्स मैनुअल, आर टी आई मैनुअल और इन्टरनल ऑडिट् मैनुअल तैयार किए। बोर्ड के स्टाफ केलिए ये मैनुअल अपने कार्यों के दक्षतापूर्ण निष्पादन में सहायक हैं ।

vi. **पुनरोपण व पुनर्युवन कार्यक्रम** : इलायची और कालीमिर्च के उत्पादन और उत्पादकता बढाने केलिए, बोर्ड ने इन फसलों के पुनरोपण व पुनर्युवन की दो महत्वाकाँक्षी परियोजनाएँ चलाईं। केरल और तमिलनाडु राज्यों में इलायची पुनरोपण व पुनर्युवन कार्यक्रम चलाते समय इडुक्की में राष्ट्रीय बागवानी मिशन(एन एच एम) की सहायता से और वयनाडु में वाणिज्य मंत्रालय की सहायता से कालीमिर्च पुनरोपण और पुनर्युवन कार्यक्रम अमल किए जा रहे हैं ।

vii) **भौगोलिक संकेत रजिस्ट्रीकरण :** बोर्ड ने मलबार गार्बिल्ड पेप्पर, आलप्पी ग्रीन कार्डमम्, कूर्ग ग्रीन कार्डमम्, गुण्टूर सन्नम चिल्ली और ब्यादगी चिल्ली केलिए जी आई रजिस्ट्रीकरण प्राप्त किया है । देश से इन मसालों के निर्यात को यह ज़रूर बढावा देगा ।

vii) **मसालों का मोल** : बोर्ड की संवर्धनात्मक योजनाओं और हस्तक्षेप के कारण मसाले कृषक, खासकर इलायची और कालीमिर्च के कृषक अपने उत्पादों केलिए उच्चतम मूल्य प्राप्त कर रहे हैं । कालीमिर्च का मूल्य जब 285/-रु. प्रति किलो तक बढ गया, तब इलायची का मूल्य लगभग 1000/-रु. है ।

ix) **कार्यालयों को पुष्ट करना** : बोर्ड के कार्यालयों को पुष्ट करने तथा लाभार्थियों को बेहतरीन सेवा प्रदान करने केलिए बोर्ड ने विभिन्न रिक्त पदों में कर्मचारियों की भर्ती की । तदनुसार, करीब 100 लोगों को नए सिरे से नियुक्त किया गया और पूरे देश में स्थित विभिन्न कार्यालयों में उन्हें तैनात किया गया ।

x) **आई पी सी और डब्ल्यू एस सी :** अन्तर्राष्ट्रीय कालीमिर्च समुदाय सत्र के इतिहास में पहली बार विभिन्न राज्यों के 100 कृषकों ने 8 - 12 नवम्बर 2010 के दौरान कोच्ची में आयोजित 38 वीं अन्तर्राष्ट्रीय कालीमिर्च समुदाय की बैठक में भाग लिया । प्रतिनिधियों की रेकार्ड भागीदारी में 2008 में गोवा और 2010 में नई दिल्ली में विश्व मसाला काँग्रेस भी आयोजित की गईं ।

xi) **हॉल ऑफ स्पाइसेस** : वर्तमान पीढी को प्राचीन मसाला व्यापार के बारे में समझाने केलिए कोच्ची स्थित बोर्ड के मुख्यालय में इस वर्ष मई महीने में 'हाल ऑफ स्पाइसेस' की स्थापना की गई । इन्टरऐक्टीव कियोस्क के ज़रिए श्रव्य-दृश्य प्रस्तुतीकरण 'हॉल आफ स्पाइसेस' का एक मुख्य आकर्षण है ।

xii) **एफ एस टी एल** : फ्लेवरिट स्पाइसेस ट्रेडिंग लि. का गठन कंपनी अधिनियम 1956 के तहत स्पाइसेस बोर्ड के अधीन घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय विपणियों में मसालों व मसाले उत्पादों के प्रसंस्करण, व्यापार, ब्रैण्डिंग, वेयरहाउसिंग और विपणन चलाने के मुख्य उद्देश्य से 2007 में किया गया । हाल ही में, मुख्यालय परिसर में एफ एस टी एल का एक परचूनिया बिक्री-केंद्र खोला गया, जहाँ न्यायसंगत दाम में गुणवत्ता युक्त मसालों की बिक्री की जाएगी ।

xii) **ज्ञान भण्डार** : विभिन्न देशों के मसाले और खाद्य उद्योग संबन्धी विस्तृत दित्ताबेस का संकलन किया गया, जो पणधारियों को अन्तर्राष्ट्रीय विपणी परिदृश्य की अच्छी जानकारी प्रदान करेगा । विभिन्न भू-भागों के दित्ताबेस तैयार करने का कार्य नए-नए भर्ती किए गए सहायक निदेशकों को सौंपा गया ।

बोर्ड ने पिछले पाँच वर्षों के दौरान स्पाइसेस बोर्ड के निष्पादन को नोट किया ।

चर्चा प्रारंभ करते हुए, श्री माधवन ने बोर्ड को सूचित किया कि इलायची केलिए निर्यात मांग, खासकर साउदी अरब से, अच्छी है । अब इसकेलिए 21 यू एस डोलर प्रति किलो प्राप्त है । अब ग्वाटिमाला की इलायची विपणी में नहीं है । उन्होंने सरकार से इलायची केलिए, विशेष फोकस उत्पाद केलिए उपलब्ध डी ई पी बी सहित इमदाद योजना पुनः स्थापित करने का आग्रह व्यक्त किया ।

श्री जोर्ज वैली ने सुझाया कि हम, किसानों को दुःखी व त्रस्त होकर इलायची को बेचने का प्रयास न करने की सलाह देते हुए एक सार्वजनिक वक्तव्य दे सकते है जिससे स्थिति में जल्दी ही सुधार आएगी । अध्यक्ष महोदय ने स्पष्ट किया कि वर्तमान कम मूल्य अस्थाई है । रमदान के समय, जो अगस्त में है, इलायची की माँग बढ जाएगी । बडी इलायची का दाम भी अब रु.1000/- प्रति किलो है । छोटी इलायची के बदले अब लोग बडी इलायची का इस्तेमाल करते हैं ।

बोर्ड के कार्यालयों को सशक्त बनाने के संबन्ध में, अध्यक्ष महोदय ने सूचित किया कि विभिन्न पदों में करीबन 100 व्यक्तियों की नई नियुक्तियाँ हो गई हैं । जैसे कि बोर्ड बैठक में अनुमोदित हुआ है, हम ने विभिन्न पदों केलिए उच्च शैक्षिक योग्यताएं निर्धारित की हैं ताकि उच्च तकनीकी व कुशल कार्मिकों की भर्ती की जा सके । मसलन, वरिष्ठ फील्डमैन केलिए, सातवीं कक्षा पास की योग्यता जो पहले थी उसके बदले हम ने योग्यता के रूप में बी.एस.सी वनस्पति विज्ञान या कृषि रखी है । इससे बोर्ड के क्रियाकलाप के बारे में किसानों को एक नया संदेश मिलता है ।

मद सं.10: <u>फ्लेवरिट स्पाइसेस ट्रेडिड. लिमिटेड(एफ एस टी एल)</u>

बोर्ड द्वारा एफ एस टी एल के कार्यों की चर्चा की गई ।

अध्यक्ष महोदय ने सूचित किया कि स्पाइसेस बोर्ड ने 13.12.2003 एवं 4.12.2004 को आयोजित अपनी बैठकों में घरेलू विपणी की पूर्ति तथा सामान्य और विशेष तौर पर मान्य कुछ किस्मों व ग्रेडों में भारतीय मसालों केलिए व्यापक मांग बढाने केलिए विश्वसनीय भारतीय मसालों की एक प्रीमियम ब्रैण्ड स्थापित करने तथा उसे बढावा देने का निर्णय लिया था । उपर्युक्त को सुकर बनाने केलिए बोर्ड ने ट्रेडमार्क रजिस्ट्री के साथ 'फ्लेवरिट' नाम की एक ब्रैण्ड का रजिस्ट्रीकरण किया था ।

फ्लेवरिट ब्रैण्ड का औपचारिक प्रमोचन केरल के उस समय के मुख्य मंत्री द्वारा मार्च, 2005 में कोच्ची में किया गया । सितम्बर, 2005 में फ्लेवरिट ब्रैण्ड को तत्कालीन संयुक्त सचिव, वाणिज्य मंत्रालय तथा वर्तमान संघ वाणिज्य सचिव, श्री राहुल खुल्लर, आई ए एस द्वारा फ्रीमोण्ट, कैलिफोर्निया, यू.एस. ए .में प्रमोचित किया गया । एफ एस टी एल को कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन मई 2007 को एक व्यापारिक कंपनी के रूप में समाविष्ट किया गया । अध्यक्ष महोदय ने स्पष्ट किया कि एफ एस टी एल को 50.00 लाख रु. की शेयर पूँजी विश्व मसाला काँग्रेस व अंतर्राष्ट्रीय कालीमिर्च समुदाय की वार्षिक बैठक के आयोजन के ज़रिए प्राप्त अधिक राशि से प्राप्त हुई है ।

स्पाइसेस पार्कों में उत्पादित सभी उत्पाद एफ एस टी एल या फ्रैन्चाइज़ी आउटलेटों के ज़रिए बेचे जाएंगे । एफ एस टी एल ब्रैण्ड की गुणवत्ता स्पाइसेस बोर्ड द्वारा आश्वस्त है । एफ एस टी एल से सुप्रसिद्ध 'अमुल' के अनुरूप कार्य की उम्मीद है । इस बात पर भी सहमति हुई थी कि उचित मूल्य में अच्छी गुणवत्तावाले उत्पाद बेचते समय, दूसरे महत्वपूर्ण तत्व के रूप में अनुमार्गणीयता उभर आती है । स्पाइसेस बोर्ड द्वारा देश के विभिन्न प्रांतों में मसाला पार्कों की स्थापना से, एफ एस टी एल केलिए यह लाभदायक है कि वे अपने आउटलेटों के ज़रिए प्रतियोगी मूल्य पर किसानों से सीधे मसाले एकत्रित कर और गुणवत्तायुक्त उत्पादों का प्रसंस्करण, पैक, भण्डारण व विपणन कर सकते हैं । कंपनी का संचालन इस तरह गुणवत्ता मसाला उत्पादों की नियमित आपूर्ति, अनुमार्गणीयता, टिकाऊपन और सबसे महत्वपूर्ण उत्पादक व उपभोक्ता के बीच संबन्ध सुनिश्चित करता है ।

अध्यक्ष महोदय ने यह भी सूचित किया कि दो गोदाम, जिनमें से एक पॅफ है, पुट्टडी स्थित स्पाइसेस-पार्क में स्थापित किए गए हैं और इन्हें एफ एस टी एल के ज़रिए सेन्ट्रल वेयरहाउसिंग कोरपोरेशन

सी डब्ल्यू सी को पट्टे पर दिया गया । किसान अपने उत्पाद को इन गोदामों में भण्डारित कर सकते हैं ताकि वे अपनी इच्छानुसार बेच सकते हैं । यह भी है कि इन उत्पादों केलिए सी डब्ल्यू सी द्वारा जारी स्टॉक रसीदों के बदले किसान किसी भी राष्ट्रीकृत बैंक से अपनेलिए ऋण ले सकते हैं ।

मद .11: स्पाइसेस पार्कों की स्थापना की स्थिति-अप्रैल 2011

निर्माणाधीन मसाला पार्कों की अद्यतन स्थिति नोट की गई ।

मद सं.12: गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशालाओं तथा प्रशिक्षण केन्दों की स्थिति - अप्रैल 2011

निर्माणाधीन प्रयोगशालाओं की अद्यतन स्थिति बोर्ड ने नोट की ।

सामान्य :

i) वर्तमान अध्यक्ष श्री वी.जे. कुरियन का कार्यकाल

श्री वी .जे. कुरियन ने सदस्यों को सूचित किया कि वे 31 मई 2011 को अध्यक्ष के रूप में अपने पाँच वर्ष के कार्यकाल की समाप्ति पर बोर्ड की सेवा से विदा लेंगे । आगे की नियुक्ति केलिए वे अपने मूल संगठन केरल सरकार को वापस जाएँगे । उन्होंने अपने कर्त्तव्यों व उत्तरदायित्वों को निभाने में दिए गए सहयोग व मार्गदर्शन केलिए बोर्ड-सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया । मसाला उद्योग की संपूर्ण संतुष्टि केलिए पिछले पाँच सालों तक बोर्ड में काम करना उनकेलिए उत्कृष्ट व महत्वपूर्ण था । उन्होंने आशा की कि भविष्य में आपसी मेल-मिलाप केलिए अवसर मिलेगा ।

श्रीमती सुषमा श्रीकण्ठत्त ने भारतीय मसाला उद्योग के विकास केलिए श्री वी.जे. कुरियन की सेवा का विशेष ज़िक्र किया । पिछले पाँच वर्षों में, श्री कुरियन ने सभी पणधारियों को आपसी लेनदेन का पर्याप्त अवसर प्रदान किया है । वे सभी मामलों में सबकी बातें ध्यान से सुनते थे । ए आई एस ई एफ के पूर्व अध्यक्षों व निर्यात-कंपनियों की ओर से श्री सुषमा श्रीकण्ठत ने श्री वी.जे. कुरियन के प्रति गहरी एहसानमंदी जाहिर की ।

ii) <u>गुना-स्पाइसेस पार्क</u>

श्री देवेन्दरसिंह रघुवंशी ने सरकार और स्पाइसेस बोर्ड को गुना में स्पाइसेस पार्क की मंजूरी केलिए धन्यवाद अदा किया । उन्होंने यह भी मांग की कि बोर्ड के गुना कार्यालय में नियुक्त ग्रूप 'डी' स्टाफ को न्यूनतम वेतन अधिनियम में दिए अनुसार वेतन दिया जाय ।

अध्यक्ष महोदय ने मामले पर जाँच किए जाने का आश्वासन दिया ।

अध्यक्ष महोदय को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक सायं पाँच बजे समाप्त हुई ।

.....